रविंद्र यादव (25) पुत्र सुरेश बाबू शनिवार देर शाम घर से बिना बताए निकल गए। खोजबीन के दौरान परिवार को जानकारी मिली था। जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। वहीं घटना से परिवार में कोहराम मचा रहा। परिजन रोते-बिलखते रहे।

के बाद गृह प्रवेश कार्यक्रम व अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ कराया था। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रविवार की सुबह लगभग

# कृषि महाविद्यालय की व्यवस्थाओं को सराहा, छात्रों से ली जानकारी

**कार्यालय संवाददाता, इटावा**

**अमृत विचार।** मुख्य वैज्ञानिक अटारी, कानपुर डॉ. एसके सिंह एवं प्रभारी सब्जी विज्ञान कानपुर डॉ. रामबटुक सिंह ने अधिष्ठाता इटावा महाविद्यालय डॉ. एनके शर्मा के साथ कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा के वर्कशाप एवं मत्स्य महाविद्यालय का अवलोकन किया। बीएफएससी पाठ्यक्रम के ईएलपी कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों से जानकारी ली। साथ ही मत्स्य फार्म का अवलोकन कर निकट भविष्य में अपनायी जाने वाली गतिविधियों के बारे में भी निर्देश दिए। उन्होंने महाविद्यालय में व्यवस्थाओं की सराहना की।

वर्कशॉप का निरीक्षण करते कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसके सिंह एवं डॉ. एनके शर्मा।

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का कृषि वैज्ञानिकों ने किया अवलोकन**

इस अवसर पर इनके साथ कृषि विज्ञान केन्द्र इटावा के प्रभारी डॉ. एनके सिंह, इं बीएस चैहान, डॉ.आशीष कुमार, डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. समरजीत सिंह एवं मत्स्य महाविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डा कैलाश चन्द्र यादव एवं डॉ. अरूण कुमार उपस्थित रहे।

े समस्त पंचायतों में चलाया जा रहा जागरुकता अभियान

# ारी से देश सशक्त होगा

# सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

**इटावा।** चुनाव को देखते हुए सोशल मीडिया प्लेट फार्मों पर

# Matsya College, Etawah towards progress

MASOOD TAIMURI

Etawah Former Director, Atari, A Jodhpur and Chief Scientist, Atari, Kanpur, Dr. SK Singh and Dr. Rambatuk Singh, In-charge, Vegetable Science, Kanpur, along with the Dean of the college, Dr. NK Sharma, Workshop of Agricultural Engineering and Technology College and Fisheries College. While visiting, took detailed information from the students and faculty members of the ELP program of B.F.Sc. course. He also inspected the fish farm and provided necessary guidelines regarding the activities to be undertaken in the near future. Both the scientists appreciated the cleanliness of the College of Agricultural Engineering and Technology, Etawah and the work being done in the interest of the students despite the limited resources available in the Fisheries College. On this occasion, in-charge of Krishi Vigyan Kendra, Etawah, Dr. NK Singh, E. B.S. Chauhan, Dr. Ashish Kumar, Dr. Akhilesh Kumar Singh, Dr. Samarjeet Singh and guest faculty of Fisheries College, Dr. Kailash Chandra Yadav and Dr. Arun Kumar were present.

# गर्ल्स हॉस्टल में निकली तीन फीट लम्बी विस्ख़ापर ,सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू

## सुरक्षित रेस्क्यू के बाद कल्पना चावला गर्ल्स हॉस्टल की छात्राएं हुई भय मुक्त

इटावा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत कृषि इंजीनियरिंग कालेज के कल्पना चावला गर्ल्स हॉस्टल में एक लगभग तीन फीट लम्बी विस्खांपर अचानक कहीं से आ गई जिसे देखकर हॉस्टल में रह रही छात्रा प्रिया और अन्य छात्राएं बेहद ही डर गई। तब हॉस्टल की केयर टेकर लायकश्री ने हॉस्टल वार्डन डॉ नेहा को सूचित किया और डॉ नेहा ने डॉ आशीष को हॉस्टल के कमरे में बड़ी विस्खांपर के मौजूद होने की सूचना दी। जनपद में वन्यजीवों का सुरक्षित रेस्क्यू कर आपदा प्रबंधन का कार्य कर रहे वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र डॉ आशीष त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और मात्र 5 मिनट में ही उस विस्खापर (मॉनिटर लिजार्ड) को सुरक्षित पकड़ कर वन विभाग के निर्देशानुसार उसके प्राकृतवास में ले जाकर बिना किसी नुकसान पहुंचाए छोड़ दिया। हॉस्टल की छात्राओं ने मिशन स्नेक बाइट डेथ फ्री इंडिया के यूपी कॉर्डिनेटर वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र डॉ आशीष त्रिपाठी को डरावनी विस्खापर का सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। डॉ आशीष त्रिपाठी ने सभी छात्राओं को

मौके पर ही जानकारी देते हुए बताया कि,आजकल के तापमान में हो रहे बदलाव के कारण ही ये वन्यजीव बैचेन हो रहे है साथ ही आस पास भोजन की कमी भी इन रेंगने वाले वन्यजीवों को घरों में प्रवेश करने के लिए बाध्य कर रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि, यह विस्ख़ापर बस देखने मे ही डरावनी लगती है जब सच यह है कि यह एक नितांत विषहीन प्राणी है जिसे मारना अपराध है और यह भारतीय वन्यजीव अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित प्राणी भी है । इसके अंदर किसी प्रकार का कोई भी विष नही पाया जाता है लेकिन यदि कभी यह किसी को काट ले इसकी ओरोफेरेंजीयल कैविटी में खतरनाक बैक्टीरिया मौजूद होने की वजह से काटने के बाद इलाज में लापरवाही होने से त्वचा में सिर्फ गैंगरीन (गलाव) ही हो सकता है किसी की मृत्यु नहीं होती है इसलिए किसी को भी घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है बल्कि बस इसके द्वारा काट लेने पर काटे गए स्थान को अच्छी तरह से डिटोल से साफ करके कोई एंटीसेप्टिक क्रीम उस जगह पर लगा देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि, यह एक बेहद ही शर्मिला और डरपोंक जीव भी है जो मनुष्यों को देखकर स्वयं ही कहीं न कहीं डरकर छिप जाती है। आजकल इनके इनके प्राकृतवास में आसपास बड़े पेड़ पौधे न होने या अत्यधिक गर्मी की वजह से भी ये अक्सर घरों में ठंडक की वजह से घुस रहे है। उन्होंने अनुरोध किया कि आप लोग वेवजह ही विस्ख़ापर से बिल्कुल भी न डरें। इसे मारने या नुकसान पहुंचाने पर वन्यजीव अधिनियम के तहत सुसंगत धारा के अंतर्गत कठोर कार्यवाही व जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। विदित हो कि, डॉ आशीष त्रिपाठी पिछले कई वर्षों से इटावा जनपद में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिये स्कूलों कालेजों में छात्र छात्राओं के बीच जाकर विशेष सर्पदंश जागरूकता अभियान भी चला रहे है। जिसका बड़ा असर यह हुआ है कि, कई प्रकार के वन्यजीवों को अब जीवनदान और संरक्षण मिल रहा है व संस्था ओशन के द्वारा लगातार की जा रही जन जागरूकता के कारण लोगो ने वन्यजीवों को अब मारना ही छोड़ दिया है और अब ग्रामीण क्षेत्र के लोग किसी भी झाड़ फूंक में न पड़कर सीधे ही जिला अस्पताल आकर सर्पदंश या अन्य किसी वन्यजीव के काट लेने पर सुरक्षित रूप से इलाज कराने लगे है।

# मत्स्य महाविद्यालय इटावा प्रगति की ओर

कंपूमेल ब्यूरो/इटावा। पूर्व निदेशक, अटारी, जोधपुर एवं मुख्य वैज्ञानिक, अटारी, कानपुर डा० एस०के० सिंह एवं डा० रामबटुक सिंह, प्रभारी, सब्जी विज्ञान, कानपुर ने महाविद्यालय, इटावा के अधिष्ठाता डा० एन०के० शर्मा के साथ कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा के वर्कशाप एवं मत्स्य महाविद्यालय, इटावा का भ्रमण करते हुए बी०एफ०एससी० पाठ्यक्रम के ई०एल०पी० कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही मत्स्य फार्म का अवलोकन कर निकट भविष्य में अपनायी जाने वाली गतिविधियों के बारे में भी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। दोनों वैज्ञानिकों ने कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा की साफ-सफाई एवं मत्स्य महाविद्यालय में उपलब्ध सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों के हित में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर इनके साथ कृषि विज्ञान केन्द्र, इटावा के प्रभारी डा० एन०के० सिंह, ई० बी०एस० चौहान, डा० आशीष कुमार, डा० अखिलेश कुमार सिंह, डा० समरजीत सिंह एवं मत्स्य महाविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डा० कैलाश चन्द्र यादव एवं डा० अरूण कुमार उपस्थित रहें।

# मत्स्य महाविद्यालय प्रगति की ओर

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। पूर्व निदेशक, अटारी, जोधपुर एवं मुख्य वैज्ञानिक, अटारी, कानपुर डा0 एस0के0 सिंह एवं डा0 रामबटुक सिंह, प्रभारी, सब्जी विज्ञान, कानपुर ने महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा0 एनके शर्मा के साथ .षि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वर्कशाप एवं मत्स्य महाविद्यालय का भ्रमण करते हुए बी0एफ0एससी0 पाठ्यक्रम के ई0एल0पी0 कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही मत्स्य फार्म का अवलोकन कर निकट भविष्य में अपनायी जाने वाली गतिविधियों के बारे में भी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। दोनों वैज्ञानिकों ने .षि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा की साफ–सफाई एवं मत्स्य महाविद्यालय में उपलब्ध सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों के हित में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर इनके साथ .षि विज्ञान केन्द्र, इटावा के प्रभारी डा0 एन0के0 सिंह, ई0 बी0एस0 चौहान, डा0 आशीष कुमार, डा0 अखिलेश कुमार सिंह, डा0 समरजीत सिंह एवं मत्स्य महाविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डा0 कैलाश चन्द्र यादव एवं डा0 अरूण कुमार उपस्थित रहें।

मा को
बोला
लिए
बताने
सीएम
नसभा

GPS Map Camera
Etawah, Uttar Pradesh, India
QXQX+992, Shiva Colony, Etawah, Uttar Pradesh 206001, India
Lat 26.788741°
Long 78.998643°
29/04/24 11:06 AM GMT +05:30
Google

# मत्स्य महाविद्यालय, इटावा प्रगति की ओर

इटावा। पूर्व निदेशक, अटारी, जोधपुर एवं मुख्य वैज्ञानिक, अटारी, कानपुर डा० एस०के० सिंह एवं डा० रामबदुक सिंह, प्रभारी, सब्जी विज्ञान, कानपुर ने महाविद्यालय, इटावा के अधिष्ठाता डा० एन०के० शर्मा के साथ कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा के वर्कशाप एवं मत्स्य महाविद्यालय, इटावा का भ्रमण करते हुए बी०एफ०एससी० पाठ्यक्रम के ई०एल०पी० कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही मत्स्य फार्म का अवलोकन कर निकट भविष्य में अपनायी जाने वाली गतिविधियों के बारे में भी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। दोनों वैज्ञानिकों ने कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा की साफ-सफाई एवं मत्स्य महाविद्यालय में उपलब्ध सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों के हित में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर इनके साथ कृषि विज्ञान केन्द्र, इटावा के प्रभारी डा० एन०के० सिंह, ई० बी०एस० चौहान, डा० आशीष कुमार, डा० अखिलेश कुमार सिंह, डा० समरजीत सिंह एवं मत्स्य महाविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डा० कैलाश चन्द्र यादव एवं डा० अरूण कुमार उपस्थित रहें।

Google
12:44 2024-04-29 Monday
#Captured by GPS Cam

14:32 2024-04-29 Monday
#Captured by GPS Cam